

(b) the stage at which the construction of overbridge at Rajpura Railway station rests at present?

**The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. V. Ramaswamy):** (a) Nil. The State Government of Punjab have not proposed construction of any Road-overbridge during 1962-63.

(b) The Scheme for a road overbridge in place of the existing level crossing near Biscuit Factory at Rajpura has been postponed by the Punjab Government.

#### Assistance to Orissa Government

**1628. Shri Rama Chandra Mallick:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state the amount of grants or loan given to the Government of Orissa for irrigation purposes under the Grow More Food Campaign during 1962-63?

**The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas):** Under the revised procedure for rendering financial assistance to State Governments, introduced from the year 1958-59, Central assistance admissible to various State Governments is sanctioned in bulk for schemes under the head "Agricultural Production" which includes Minor Irrigation and Land Development. As such, it is not possible to indicate the amount of Central assistance given to the Government of Orissa for their Minor Irrigation Schemes during 1962-63. Information with regard to grant and loan sanctioned to the Government of Orissa during 1962-63 for their Agricultural Production Schemes, including Minor Irrigation and Land Development, is, however, given below:—

Year	Grant	Loan
1962-63	Rs. 26.29 lakhs	Rs. 68.0 lakhs.

वाराणसी रेलवे स्टेशन पर पानी की कमी

१६२९. { श्री सरजू पाण्डेय :  
श्री ज० ब० सिंह :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वाराणसी सिटी रेलवे स्टेशन पर पानी की सख्त दिक्कत है ;

(ख) क्या पानी के लिये मुसाफिर बराबर शिकायतें भेजते रहते हैं; और

(ग) यदि हाँ, तो इस तरह की कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं और क्या कदम पानी की दिक्कत को दूर करने के लिये उठाया गया है ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खाँ) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग). बिजली फेल. होने या पम्प की मरम्मत होने के कारण पानी की सप्लाई में जब बाधा पडी, तो ग्यारह शिकायतें मिली थीं । पानी की सप्लाई में इस तरह की बाधा न पड़े, इस के लिये इस स्टेशन पर बिजली का एक और बरमा-पम्प लगाने का विचार है ।

#### Minor Irrigation in U.P.

**1630. { Shri Sarjoo Pandey:  
Shri J. B. Singh:**

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) the amount of loans and grants given to the U.P. Government for the expansion of minor irrigation during 1962-63; and

(b) amount utilised by them?

**The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas):** (a) Under the revised procedure for rendering financial assistance to State Governments, introduced from the year 1958-59, Central assistance admissible to various State Governments is sanctioned in bulk for schemes under the head "Agricultural Production" which includes Minor Irrigation and Land Development. As such, it is not possible to indicate the amount of Central assistance given to the Government of Uttar Pradesh for their

Minor Irrigation Schemes during 1962-63. Information with regard to grant and loan sanctioned to the Government of U.P. during 1962-63 for their agricultural Production schemes, including Minor Irrigation and Land Development, is, however, given below:—

Year	Grant	Loan
1962-63	Rs. 163.47 lakhs	Rs. 753.96 lakhs.

(b) According to the information received from the State Government, the anticipated expenditure on Minor Irrigation during 1962-63 is Rs. 758.04 lakhs.

### भारतीय कृषि और भारतीय वन सेवा

१६४१. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि सेवा और भारतीय वन सेवा के अभी क्रमशः कुल कितने पदाधिकारी किन पदों पर हैं ;

(ख) इन में से कितने पदोन्नति और कितने प्रतियोगिता से आयें हैं ; और

(ग) क्या कुछ खास ऐसे पद हैं, जो केवल इन सेवाओं के लिये सुरक्षित हैं, यदि हाँ, तो उनकी संख्या क्या है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री डा० राम सुभग सिंह : (क) इस समय ऐसी कोई सेवाएँ नहीं हैं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं होता ।

(ग) प्रश्न ही नहीं होता ।

### आलू गवेषणा केन्द्र

१६३२. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आलू गवेषणा केन्द्र कहां-कहां हैं ;

(ख) इन पर १९६२-६३ में कितना खर्च किया गया और अगले वर्ष कितना किया जायेगा ; और

(ग) गवेषणा केन्द्रों के लिये स्थान का चुनाव किस आधार पर किया जाता है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) १ जलन्धर (पंजाब), २. वाबूगढ़ (यू० पी०), ३. खेड, पूना (महाराष्ट्र), ४. अमर शिलांग (आसाम), ५. नीलगिरी (मद्रास), ६. पटना (बिहार), ७, कुफरी (हिमाचल प्रदेश), ८. मुक्तेश्वर (यू० पी०), और ९. शिमला (पंजाब) केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मुख्य कार्यालय के रूप में

अनुमानित व्यय रुपये

(ख)

राजस्व १९६२-६३ .	१२,३५,२४२
मूलधन १९६२-६३	२,११,०००
	बजट उपबन्ध
राजस्व १९६३-६४ .	१५,१६,३००
मूलधन १९६३-६४ .	४,५०,०००

(ग) भारत सरकार द्वारा १९४८ में नियुक्त की गई शिष्य समिति ने सिफारिश की थी कि देश की भूमि तथा जलवायु सम्बन्धी परिस्थितियों में भारी अन्तर होने के कारण विभिन्न आलू उत्पादन करने वाले क्षेत्रों में प्रादेशिक आधार पर अनुसंधान किये जायें ताकि किये गये अनुसंधान तथा उन से उपलब्ध होने वाले परिणामों का राज्यों के कृषि विभागों के सहयोग से कृषकों के खेतों में प्रदर्शन किया जाये ।

### \*दारूह्ला-मुसद रेलवे लाइन

१६३३. श्री बे० शि० पाटिल : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि \*दारूह्ला-मुसद नैरो गेज रेलवे लाइन बन्द कर दी गई है ;

\*सदस्य द्वारा बाद में शुद्ध किया गया ।